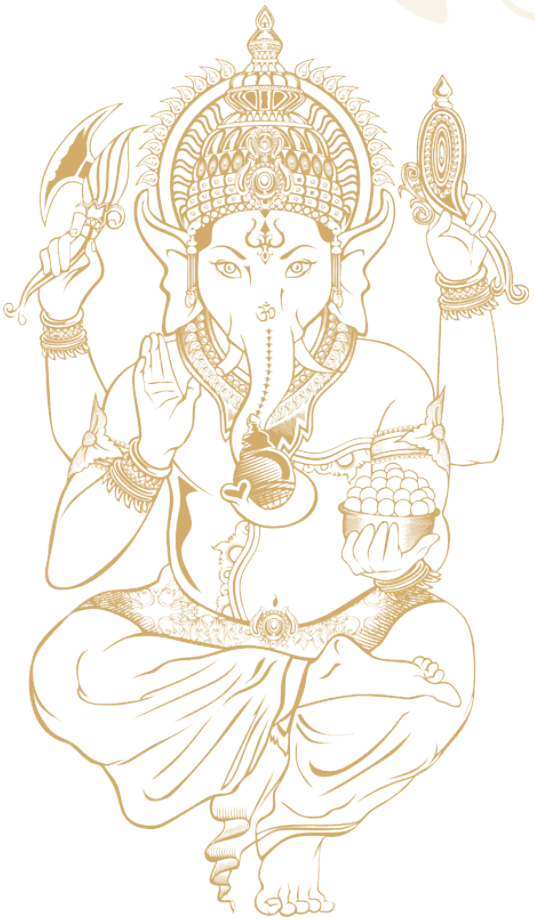

Bhavesh

Ms.pachi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119451610

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/03/1994	जन्म तिथि	25/03/1997
शनिवार	दिन	मंगलवार
घंटे 17:37:00	जन्म समय	10:50:00 घंटे
घटी 27:01:07	जन्म समय(घटी)	10:41:22 घटी
India	देश	India
Kolhapur	स्थान	Pune
16:42:00 उत्तर	अक्षांश	18:34:00 उत्तर
74:19:00 पूर्व	रेखांश	73:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:32:44	स्थानिक संस्कार	-00:34:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:48:33	सूर्योदय	06:34:33
18:40:18	सूर्यास्त	18:46:02
23:46:48	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:05

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 6वर्ष 5मा 18दि		06:40:14	सिंह	लग्न	वृष	22:08:31	चन्द्र 0वर्ष 10मा 13दि	
सूर्य		20:54:23	कुंभ	सूर्य	मीन	10:47:09	गुरु	
22/08/2020		01:00:56	धनु	चंद्र	कन्या	22:10:25	06/02/2023	
23/08/2026		04:40:57	कुंभ	मंगल व	सिंह	29:53:39	06/02/2039	
सूर्य	10/12/2020	28:50:58	मक	बुध	मीन	23:57:14	गुरु	26/03/2025
चन्द्र	10/06/2021	20:50:17	तुला व	गुरु	मक	19:56:43	शनि	07/10/2027
मंगल	16/10/2021	02:21:41	मीन	शुक्र	मीन	08:39:50	बुध	12/01/2030
राहु	10/09/2022	10:29:29	कुंभ	शनि	मीन	15:42:56	केतु	19/12/2030
गुरु	29/06/2023	03:05:59	वृश्चि व	राहु व	कन्या	04:55:55	शुक्र	19/08/2033
शनि	10/06/2024	03:05:59	वृष व	केतु व	मीन	04:55:55	सूर्य	07/06/2034
बुध	17/04/2025	01:16:46	मक	हर्ष	मक	13:53:18	चन्द्र	07/10/2035
केतु	22/08/2025	28:52:31	धनु	नेप	मक	05:45:08	मंगल	12/09/2036
शुक्र	23/08/2026	04:17:18	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	11:42:20	राहु	06/02/2039

लग्न-चलित

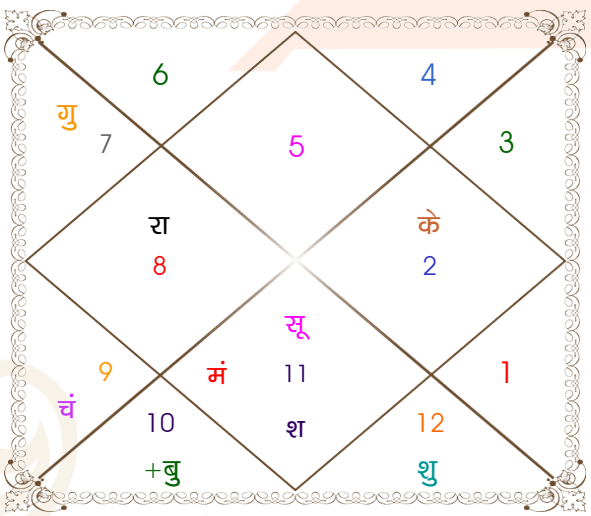

लग्न-चलित

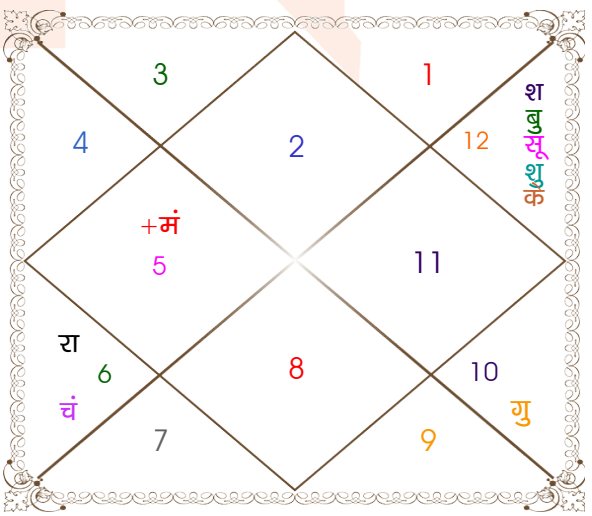

Pt. Nagraj B Purohit
499 C Vod Aajad Gali Kolhapur
9423277977

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	15.00		

Bhavesh का वर्ग मृग है तथा डेण्चंबीप का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Bhavesh और डेण्चंबीप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Bhavesh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Bhavesh कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण्चंबीप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डेण्चंबीप कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।

तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Bhavesh कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Bhavesh तथा डेण्चंबीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।